

पिछले कई दशकों के दौरान किए गए परंपरागत प्रजनन विधियों के परिणामस्वरूप कई उत्पादक रेशमकीट नस्ल एवं संकर विकसित हुए जिसके कारण भारत में अधिकतम रेशम उत्पादन करने में सफलता मिली । आजकल उत्पादित रेशम की मात्रा से अधिक उसकी गुणवत्ता पर बल दिया जा रहा है। कैंरेअप्रसं, मैसूर में काफी द्विप्रज नस्लों/संकरों का विकास किया गया और उन्हें कैंरेबो द्वारा वाणिज्यिक उपयोग के लिए प्राधिकृत किया गया । तथापि केवल दो द्विप्रज रेशमकीट संकर सी एस आर 2 x सी एस आर 4 (एकल संकर) और द्वि संकर (सीएसआर 6 x सी एस आर 26) x (सी एस आर 2 x सी एस आर 27) क्षेत्र में लोकप्रिय है और देश भर में वाणिज्यिक तौर पर उपयोग किया जा रहा है । दक्षिणी राज्यों के कृषकों के साथ मिलकर व्यापक परीक्षण (प्राधिकरण उत्तर परीक्षण) करने के बाद एकल संकर सीएसआर 16 x सीएसआर 17 का वाणिज्यीकरण किया गया । इसके अतिरिक्त वर्ष 2013 में प्राधिकृत दो उत्पादक द्विप्रज संकर सीएसआर 50 x सीएसआर 51 (उच्च तापमान सहनशील) और द्वि संकर (सीएसआर 51 x सीएसआर 53) हाल में कृषकों के बीच लोकप्रिय हुए हैं। उच्च कच्चा रेशम वसूली/कोसा कवच प्रतिशतता के लिए

अधिक द्विप्रज संकर विकसित करने हेतु कैंरेअप्रसं, मैसूर में लगातार प्रजनन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि वाणिज्यिक तौर पर रेंडिट्टा को कम किया जा सके। यद्यपि 22-24% कोसा कवच और 5.5-6.0 रेंडिट्टा के रेशमकीट नस्ल/संकर विकसित किए गए कृषकों से प्राप्त कोसा कवच प्रतिशतता केवल 20-21% है और रेंडिट्टा 6.5 से 7.5 तक है । इससे साबित होता है कि कोसा कवच प्रतिशतता (2-3%) और रेंडिट्टा (1.0 से 1.5 तक) में कमी हुई । बेहतर कोसा कवच

प्रतिशतता के फलस्वरूप अधिक कच्चा रेशम वसूली होती है और इससे रेंडिट्टा में कमी आती है जिसका प्रभाव धागाकरण लागत पर पड़ता है। इसको दृष्टि में रखते हुए उत्पादक नस्ल सी एस आर 27 के साथ बहिः संकरण कर एस 8 के कोसा एवं रेशम गुणवत्ता विशेषकों को सुधारते हुए एक नया उच्च उत्पादक एकल संकर एस 8 x सी एस आर 16 विकसित किया गया और इसके अनुसरण में उच्च उत्पादक विशेषकों के लिए क्रमबद्ध चयन किया गया ।

प्रयोगशाला निष्पादन

संकर	प्यूपीकरण (%)	उपज/ 10,000 लार्वे (कि ग्रा)	कोसा भार (ग्रा)	कोसा कवच भार (ग्रा)	एसआर (%)	कच्चा रेशम (%)	तंतु लंबाई (मी)	स्वच्छता (पी)
एस8xसीएसआर16	96.0	21.0	2.12	0.502	23.7	19.5	1175	95
सीएसआर2xसीएसआर4	95.6	19.14	2.01	0.472	23.5	18.5	1050	94

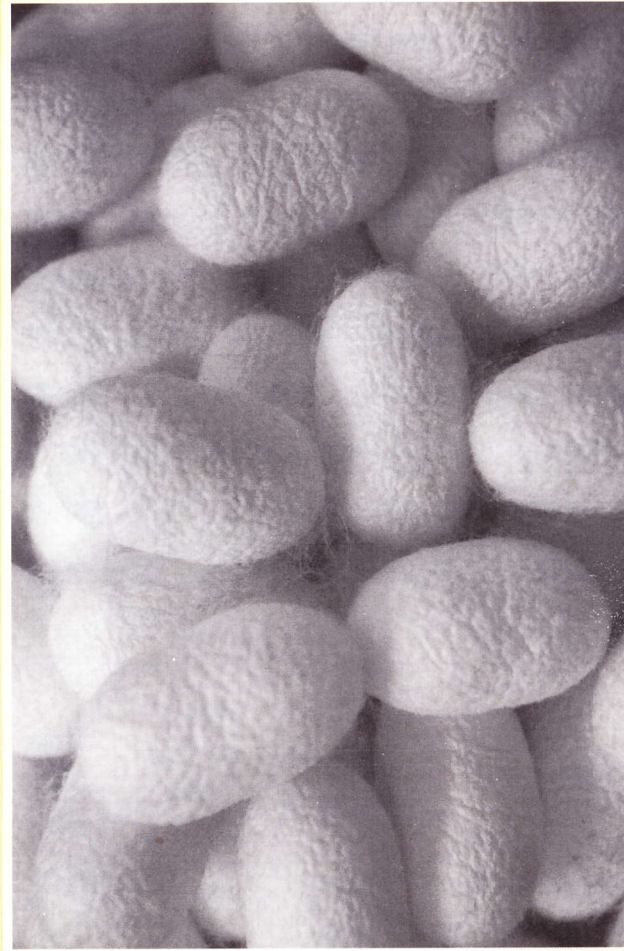
क्षेत्र निष्पादन

राज्य	परीक्षण की गई रो मु बी चकलों की संख्या	कृषक सं.	कोसा उपज/100 रोमुबीचकते (कि ग्रा)	कोसा वजन (ग्रा)	कोसा कवच वजन (ग्रा)	कोसा कवच प्रतिशतता
कर्नाटक	41400	239	76.5	1.875	0.414	22.1
आंध्रप्रदेश	11900	64	62.9	1.864	0.413	22.2
तमिलनाडु	10550	58	71.3	1.760	0.382	21.7
कुल/औसतन	63850	361	71.0	1.787	0.398	22.0
सीएसआर2xसीएसआर4	32800	175	64.5	1.765	0.364	20.6

उच्च कोसा वजन (2.12 ग्रा), कोसा कवच वजन (23.75% की दर से 0.502 ग्रा) बेहतर तंतु (तंतु लंबाई : 1175 मी, धागाकरण क्षमता 90%, स्वच्छता 95 पी) बेहतर कच्चा रेशम वसूली (19.5%) और रैंडिट्टा एस8 x सीएसआर 16 संकर के लक्षण है। 5.5 - 6.0 रैंडिट्टा वाले एकल संकर को लेकर दक्षिण भारत के कृषकों के साथ किए गए क्षेत्र परीक्षण आशाजनक हैं।

एस.8 x सी एस आर 16 की मुख्य विशेषताएँ

- कृषकों द्वारा इस उत्पादक संकर का पालन करना आसान है।
- अनुकूल महीने में कीटपालन
- हल्के नीले शरीर वाले चिह्नित लार्वे।
- मध्यम आकृति और ग्रेन के चमकीले सफेद कोसे।
- उच्च कोसा कवच प्रतिशतता (23-24%)
- उच्च कच्चा रेशम वसूली (19-20%)
- बेहतर तंतु लक्षण
- अधिक तंतु लंबाई (1175 मी)
- धागाकरण क्षमता (90%)
- स्वच्छता (95 पी)
- कोसा उत्पादकों और धागाकारकों के लिए बेहतर आय
- कोसा उपज 70-75 कि ग्रा/100 रो मु बी च
- तंतु गुणवत्ता 2 ए-3ए
- रैंडिट्टा 5.0-5.5



विषय:

वी. शिवप्रसाद, एन मलरेड्डी एवं एस एम मूर्ति

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

निदेशक

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
(आई एस ओ 9001:2008 प्रमाणित)
(केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)
श्रीरामपुरा, मैसूर-570 008

दूरभाष: 0821-2362757, 2362406

फैक्स: 0821-2362845 वेब: www.csrtimys.res.in

ई-मेल: csrtimys.csb@nic.in

**एस 8 x सी एस आर 16
अधिक कोसा उपज एवं रेशम
उत्पादकता के लिए
नए द्विप्रज रेशमकीट संकर**



केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान

(आई एस ओ 9001: 2008 प्रमाणित)

केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार

श्रीरामपुरा, मैसूर-570 008